Tc.No.: GUJHIN00722

दैनिक

क्रांति समय

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480

E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्ष: 1 अंक: 52, शनिवार, 17 मार्च 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.

ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

सार समाचार

काम के लिए बाहर गई बहू तो ससुर ने तलवार से काटी गर्दन

नई दिल्ली (एजेंसी)। ससुर द्वारा बहू की गर्दन तलवार से काटने का दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। झूठी शान के नाम पर सरेआम वीभत्स हत्या की यह घटना राजस्थान के अलवर जिले की है। महिला की पहचान 32 वर्षीय उमा के रूप में हुई। आरोप है उमा की उसके ही ससुर ने इसलिए तलवार से गर्दन काट डाली क्योंकि बहू का घर बाहर काम के लिए निकलना राजपूत शान के खिलाफ लगा। उमा जिले के ही शाहजहांपुर गांव में एक फैक्ट्री काम करने जा रही थी तभी रास्ते में उसका ससुर आ धमका और तलवार से उसकी गर्दन काट डाली। इंसानियत को शर्मसार कर रही और दिल दहला देने वाली यह घटना गुरुवार 15 मार्च की है। बताया जा रहा आरोपी ससुर ने घटना को गांव के खाटू श्याम मंदिर के पास अंजाम दिया। आरोपी की पहचान मामराज के रूप में हुई है जो कि पीड़िता के पति के पिता का बड़ा भाई। पीड़िता उमा अपने पति और दो बच्चों के साथ रहती थी। उसका पति भी बाहर नौकरी करता था जिससे उनके घर का खर्च चलता था। बच्चों की पढ़ाई अच्छे से हो जाए इसके लिए उमा ने भी काम करना शुरू कर दिया था। दोनों किसी तरह से काम करके अपना घर खर्च चला रहे थे। पड़ोसियों ने पुलिस को बताया कि आरोपी मामराज की मानसिक हालत ठीक नहीं है। वह अक्सर उमा से इस बात को लेकर उलझता रहता था कि वह काम के लिए बाहर क्यों जा रही है। उसने अपनी सारी जमीन भी बेच डाली है और पड़ोसियों उलझता रहता है।

प्यार में नाकाम होने पर छात्र ने Video Call पर लगाई फांसी

हैदराबाद। आईटीआई के 20 साल के एक छात्र ने परोक्ष रूप से ' 'प्यार में नाकाम होने पर अपनी गर्ल फ्रेंड से वीडियो कॉल के जरिये बातचीत के दौरान फांसी पर लटककर कथित रूप से खुदकुशी कर ली। इस बातचीत की कथित क्लिप वायरल हो गई है। पुलिस ने आज कहा कि क्लिप में दिखता है कि युवक संक्षिप्त बातचीत के बाद एक साड़ी की मदद से पंखे से लटक जाता है। पुलिस ने कहा कि इस बातचीत में उसे यह कहते हुए सुना जा सकता है कि वह अपनी जिंदगी खत्म कर रहा है और लड़की उससे ऐसा नहीं करने को कह रही है। पुलिस ने कहा कि इस घटना के यहां दिवंग ए सागर के किराये के घर में 13-14 मार्च की दरमियानी रात को होने की आशंका है। नरेदमेट थाने के निरीक्षक एम जगदीश चंद्र ने कहा कि लड़का अपनी बड़ी बहन के साथ रहता था लेकिन इस घटना के वक्त वह घर में अकेला था।

फेरों के वक्त जीजा से प्रेग्नेंट थी दुल्हन, पति की गुहार पर विवाह समाप्त

इंदौर। अपने जीजा से गर्भवती होने की बात छिपाकर अन्य पुरुष से ब्याह रचाने वाली 28 वर्षीय महिला का विवाह यहां कुटुम्ब न्यायालय ने शून्य घोषित कर दिया। करीब 10 महीने पहले यह शादी हुई थी। दुल्हन के इंदौर स्थित ससुराल पहुंचने के कुछ ही दिन बाद उसके गर्भवती होने राज खुला। शादी से पहले महिला के अपने जीजा से शारीरिक संबंध थे। इसके बाद महिला के 33 वर्षीय पति ने हिंदू विवाह अधिनियम के तहत कुटुंब न्यायालय का दरवाजा खटखटाया और इंसाफ की गुहार की। कुटुम्ब न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश सुबोध कुमार जैन ने 14 मार्च को सुनवाई के दौरान मामले में पेश सबूतों एवं गवाहों के बयान के आधार पर इस शख्स की याचिका स्वीकार कर उसके विवाह को शून्य घोषित करने का फैसला सुनाया। यह शादी झारखण्ड में छह मई 2017 को हुई थी। अदालत ने अपने विस्तृत फैसले में कहा कि यह साबित होता है कि याचिकाकर्ता को विवाह से पहले अपनी पत्नी के गर्भवती होने की जानकारी नहीं थी।

ठेकेदार ने भिनगा नगर पालिका के ईओ को ऑफिस में घुसकर पीटा

श्रावस्ती। एक दबंग प्रवृत्ति के ठेकेदार ने शुक्रवार को भिनगा नगरपालिका परिषद के ईओ की उनके ऑफिस में घुसकर पिटाई कर दी। ईओ की ओर से दी गई तहरीर पर पुलिस ने आरोपी ठेकेदार ने मामला दर्ज कर लिया है। मामले की जानकारी होते ही तमाम सभासद भी मौके पर पहुंच गए। जानकारी के अनुसार, भिनगा के ईओ यदुनाथ शुक्रवार को नगरपालिका कार्यालय में कामकाज कर रहे थे। इसी बीच गोण्डा निवासी ठेकेदार राम तीरथ सिंह ऑफिस पहुंचा और भुगतान को लेकर ईओ से बहस करने लगा।

..सील से पहले ही लीक हो गया पर्चा!

सीबीएसई 12वीं की परीक्षा का अकाउंट पेपर लीक!

नईदिल्ली (एजेंसी)। विशेषज्ञों के मुताबिक लीक हुये पत्रे को देखकर लगता है कि वह सील होने से पहले ही लीक हो गया था। क्योंकि पेपर सील करने से प्रश्नपत्र को फोल्डकर पुस्तिका के स्वरूप में स्टेपल किया जाता है। जबकि लीक हुये प्रश्नपत्र के बीच में न तो फोल्ड के निशान हैं और न ही स्टेपल के। ऐसे में यह अंदेशा हो सकता है कि सील से पहले पेपर लीक हो गया है जिसे परीक्षा से पूर्व प्रचारित कर दिया गया। विशेषज्ञों का यह भी कहना है कि बोर्ड अपनी जगह सही हो सकता है कि सभी केंद्रों पर सील जस की तस थीं लेकिन परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने से पूर्व भी गोपनीयता भंग होने की संभावनाओं से इनकार नहीं किया जा सकता। हालांकि बोर्ड की पूरी प्रक्रिया सुरक्षित और गोपनीय होती है। देशभर में चल रही केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की परीक्षा के दौरान 12वीं का अकाउंट विषय का प्रश्नपत्र लीक हो गया। खबरों के मुताबिक बृहस्पतिवार

शुरू में बोर्ड ने पेपर लीक होने की बात से इनकार किया

बोर्ड ने लीक हुए पेपर की प्रति और अपने प्रश्नपत्र से मिलान किया तो सभी सवाल समान पाए गए

को होने वाली अकाउंट विषय की परीक्षा से पहले ही बुधवार को प्रश्न पत्र सेट नंबर-2 वाट्सएप पर आ गया था। हालांकि बोर्ड इसका शुरू में खंडन कर कहा था कि पेपर लीक नहीं हुआ है। सभी परीक्षा केन्द्रों पर प्रश्न पत्रों पर सील लगी हुई थी।

परीक्षा की गरिमा को नुकसान पहुंचाने के लिए शरारती तत्वों ने ऐसा किया। जबकि सूत्रों की माने तो अकाउंट विषय का सेट-2 का पेपर लीक हुआ है जो बुधवार शाम से ही सोशल मीडिया पर शेयर किया जा रहा था। जानकारी मिलने पर सीबीएसई ने सोशल मीडिया पर शेयर किए जा रहे पेपर की प्रति का जब उनके पास मौजूद प्रश्नपत्र से मिलान किया तो सभी सवाल समान पाए। बताया जा रहा है कि बुधवार को ही रोहिणी के विजय विहार इलाके में यह प्रश्न पत्र सोशल मीडिया के माध्यम (वाट्स-अप) पर लीक हो गया था, हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है। वहीं सीबीएसई ने 12 वीं कक्षा के अकाउंटेंसी के प्रश्न पत्र के लीक होने की खबरों से इनकार किया है।

बोर्ड की ओर से जारी बयान में कहा गया कि परीक्षा केंद्रों में सभी सीलें जस की तस पाई गई हैं। इसके अलावा एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि प्रश्न पत्र लीक नहीं हुआ है।

सभी परीक्षा केंद्रों पर सीलें जस की तस पाई गई हैं। स्थानीय स्तर पर कुछ बदमाशों ने वॉट्सएप और सोशल मीडिया के अन्य प्लेटफॉर्म के जरिए ऐसे संदेश फैलाए हैं जिससे परीक्षा पण्राली की गरिमा को आहत किया जा सके। अधिकारी ने कहा कि ऐसी गतिविधियों के खिलाफ बोर्ड ने सख्त कदम उठाने का फैसला किया है। प्राथमिकी दर्ज करवाई जा रही है।

युवकों को शराब पीने से किया था मना

युवकों ने पुलिसकर्मी को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बुराड़ी थाना क्षेत्र में रात में गश्त कर रहे पुलिसकर्मियों को सड़क पर शराब पी रहे लोगों को रोकना भारी पड़ गया।

युवकों ने एक पुलिसकर्मी को सड़क पर दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। इसके बाद उनका जी नहीं भरा तो उन्होंने डंडे से पुलिसकर्मी का सिर फोड़ दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। गंभीरावस्था में उसे ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।

घायल कांस्टेबल की शिनाख्त राजेन्द्र कुमार के तौर पर हुई। पुलिस ने इस बाबत मामला दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के मुताबिक राजेन्द्र कुमार झड़ौदा चौकी में बतौर कांस्टेबल तैनात है। बुधवार को वह अपने सहयोगी कांस्टेबल खूबचंद के साथ रात्रि गश्त कर रहे थे। जब वे झड़ौदा मैन रोड मार्केट पहुंचे तो आठ-दस युवक सड़क पर खड़े होकर शराब पी रहे थे।

दोनों ने उनसे शराब नहीं पीने और वहां से चले जाने को कहा। उनमें से कुछ लोग तो चले गए, लेकिन मुकुल नामक युवक पुलिसकर्मियों की बाइक की चाबी निकालकर भाग गया। यह देख कांस्टेबल राजेन्द्र ने उसका पीछा किया तो उसके पीछे तीन-चार युवक आ गए। कांस्टेबल को अकेला देख उन्होंने उसे घेर लिया और सड़क पर दौड़ा-दौड़ाकर मारा। इसके बाद तीन युवकों ने उसे पकड़ लिया और सतबीर ने डंडा से उसका सिर फोड़ दिया। जब उसका साथी खूबचंद आया तो उसके सिर से खून बह रहा है। गंभीरावस्था में उसे अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी नाजुक बनी हुई है।

*** डंडे से फोड़ा सिर, गंभीर हालत में ट्रामा सेंटर में भर्ती**

*** घायल कांस्टेबल की शिनाख्त राजेन्द्र कुमार के तौर पर हुई। पुलिस ने इस बाबत मामला दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।**

*** राजेन्द्र कुमार झड़ौदा चौकी में बतौर कांस्टेबल तैनात है।**

*** तीन युवकों ने उसे पकड़ लिया और सतबीर ने डंडा से उसका सिर फोड़ दिया। जब उसका साथी खूबचंद आया तो उसके सिर से खून बह रहा है।**

वर्दी बदलने से बढ़ेगा खर्च और महकमे में भेदभाव'

वाराणसी। यूपी पुलिस के इंस्पेक्टर, दरोगा और सिपाहियों की वर्दी बदलने के प्रस्ताव पर पुलिसकर्मियों में रोष है। पुलिसकर्मी केवल अराजपत्रित अधिकारियों की वर्दी बदले जाने से नाराज हैं। नाम न छापने की शर्त पर कई पुलिस अधिकारी और सिपाहियों ने बताया कि वर्दी बदले जाने से खर्च बढ़ेगा। साथ ही इससे भेदभाव भी बढ़ेगा।

उनका कहना है कि यदि वर्दी बदली जा रही है तो यह केवल इंस्पेक्टर, दरोगा और सिपाहियों पर ही लागू नहीं की जाए बल्कि राजपत्रित अधिकारियों की भी वर्दी बदली जाए। इसको लेकर पुलिसकर्मियों के बने विभिन्न व्हाट्सऐप ग्रुपों पर मैसेज भी चल रहा है। वहीं पुलिसकर्मी मुख्यमंत्री को पत्र लिखने की भी योजना बना रहे हैं। सूत्र बताते हैं कि नई वर्दी लागू होने के बाद कई अराजपत्रित अधिकारी कोर्ट जाने की भी तैयारी कर रहे हैं।

ये बदलाव है प्रस्तावित

नए बदलाव के तहत वर्दी की पाकेट के स्थान पर गोलाकार कोने वाली पॉकेट होगी। वहीं पाकेट में टिंच बटन हटा दिया जाएगा और बिना बटन के रखा जाएगा। कंधे पर लगने वाले स्टार को कढ़ाई करके सिलाना होगा। वहीं बाजू पर लगने वाला मोनोग्राम भी सिला जायेगा। इसके साथ ही वर्दी की पैंट में प्रचलित बक्कल के स्थान पर सामान्य पैंट में प्रयोग किये जाने वाले बक्कल का इस्तेमाल करना होगा। बेल्ट के बक्कल पर यूपी पुलिस का मोनोग्राम रहेगा। वहीं जूते से मिलते हुए भूरे रंग की बेल्ट पहननी होगी। बेल्ट की चौड़ाई 1.5 इंच की होगी। इसके अलावा वर्दी के रंग में भी थोड़ा बदलाव होने की संभावना है।

फोर्स के गठन से ही चलन में है वर्दी

एक पुलिसकर्मी ने बताया कि वर्तमान में जो वर्दी चलन में है वह पुलिस फोर्स के गठन के समय से ही है। आजादी से पहले हाफपैंट और फुल शर्ट हुआ करता था। फोर्स गठन के समय पैंट को फुल कर दिया गया। इसके अलावा वर्दी के डिजाइन में कोई परिवर्तन नहीं किया गया।

यदि वर्दी बदली जा रही है तो यह केवल इंस्पेक्टर, दरोगा और सिपाहियों पर ही लागू नहीं की जाए बल्कि राजपत्रित अधिकारियों की भी वर्दी बदली जाए। इसको लेकर पुलिसकर्मियों के बने विभिन्न व्हाट्सऐप ग्रुपों पर मैसेज भी चल रहा है। वहीं पुलिसकर्मी मुख्यमंत्री को पत्र लिखने की भी योजना बना रहे हैं।

वर्दी के लिए मिल रहा है 2250 रुपए भत्ता

पुलिसकर्मियों को वर्दी बनवाने के लिए कुछ महीने पहले तक 18 सौ रुपए ही दिए जाते थे। नई सरकार ने वर्दी भत्ते को बढ़ाया और 2250 रुपए किया। इसके बावजूद इस कीमत में एक भी वर्दी नहीं बन पाती है।

हिमाचलः रोहतांग में दाई फुट हिमपात

शिमला / मनाली। हिमाचल के कई जिलो में बारिश और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी होने से तापमान में हल्की सी गिरावट आई है। रोहतांग दरे में अब तक ढाई फुट से अधिक बर्फ जमा हो गई है। गुरुवार सुबह ही लाहुल व मनाली घाटी बादलों से ढक गई, जबकि राहनीनाला, मढ़ी, ब्यासनाला, राहलाफाल, गुलाबा और फातरु की वादियों में भी बर्फ के फाहे गिरने का क्रम शुरू हो गया है।

नशे में घर लौटने पर पत्नी ने जताया विरोध, तो उठाया ये भयानक कदम...

घोसी (मऊ) (एजेंसी)। मऊ कोतवाली क्षेत्र के जमालपुर मिर्जापुर (नवापुरा) में गुरुवार की रात साढ़े दस बजे नशे में धुत होकर घर लौटने पर पत्नी के विरोध पर दोनों में जमकर मारपीट व झगड़ा हुआ। विवाद को लेकर पत्नी ने शरीर पर केरोसिन छिड़क लिया। इसे देख पति ने भी अपने शरीर पर तेल छिड़क कर दोनों को आग लगा ली। घर में मौजूद बच्चों के चिल्लाने पर पड़ोस के लोग मौके पर दौड़कर आए। दोनों को झुलसी हुई अवस्था में जिला अस्पताल भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान पति की मौत हो गई। गम्भीर अवस्था में पत्नी को आजमगढ़ जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना से कोहराम मच गया है। जमालपुर मिर्जापुर (नवापुरा) निवासी 44 वर्षीय ईश्वरचंद गुरुवार की रात साढ़े दस बजे नशे में घर लौटा। ऐसी स्थिति देखकर पत्नी पुष्पा ने इसका विरोध जताया। इसी को लेकर दोनों के बीच खूब जमकर विवाद हुआ। मारपीट तक हुई।

दिल्ली में भी हो चुकी है एक मरीज की मौत

स्वाइन फ्लू ने इस साल ली 145 लोगों की जान

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौसम में बदलाव के साथ स्वाइन फ्लू का प्रभाव काफी बढ़ गया है। बीते कुछ ही दिनों के भीतर फ्लू की चपेट में आने वाले मरीजों की संख्या में इजाफा हुआ। बृहस्पतिवार को सामने आई केंद्रीय स्वास्य मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार देश भर में स्वाइन फ्लू के मरीज बढ़े हैं। जनवरी से लेकर अब तक देश भर में 1440 लोग फ्लू की वजह से अस्पताल पहुंच गए हैं। जबकि 145 लोगों की इलाज के दौरान मौत हो गई है। सर्वाधिक मौतें 104 राजस्थान में हुई हैं। जबकि इसके बाद पंजाब और जम्मू कश्मीर में दस.दस लोगों ने दम तोड़ दिया है। इसके अलावा देश की राजधानी दिल्ली में भी एक मरीज की स्वाइन फ्लू की वजह से मौत हुई थी। दिल्ली में 11 मार्च तक स्वाइन फ्लू के 31 मरीज पंजीकृत हो चुके हैं। डॉक्टरों का कहना है कि स्वाइन फ्लू का असर पिछले कुछ महीनों से सबसे ज्यादा राजस्थान में देखने को मिल रहा है, लेकिन पिछले एक महीने में पंजाब और जम्मू कश्मीर में बढ़े मरीजों को देख साफ अंदाजा लगाया जा सकता है कि इसकी जद में कोई भी राज्य शेष नहीं। मैक्स कैथलैब के निदेशक डा. विवेका कुमार के अनुसार राजस्थान और अब पंजाब में फ्लू बढ़ने से स्पष्ट है कि दिल्ली पर भी इसके बढ.ने की आशंका है। इसलिए उन्होंने लोगों से अपील की है कि इस वक्त बुखार और सर्दी जुकाम को गंभीरता से लें।

देश में चौथे नंबर पर दिल्ली मरीज ज्यादा : स्वाइन फ्लू को लेकर देश में राजधानी दिल्ली चौथे पायदान पर है। रिपोर्ट के अनुसार राजस्थान में अब तक 1195 लोगों को फ्लू हो चुका है। जबकि इसके बाद तमिलनाडू में 45ए गुजरात में 33 और जम्मू कश्मीर व दिल्ली में 31.31 मरीज अस्पतालों में फ्लू का उपचार करवा रहे हैं।

»» आधी से अधिक बसें सड़कों से रहीं गायब, यात्री हुए परेशान

क्लस्टर बस कर्मचारी बेमुद्दत हड़ताल पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्लस्टर बसों के कर्मियों ने अपनी जायज मांगों को मनवाने के लिए बृहस्पतिवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी है, जिसका असर सड़कों पर देखने को मिला। आधी से अधिक बसें सड़कों से नदारद रही, जिससे सुबह और शाम के वक्त लोगों को भारी परेशानी हुई। कलस्टर बसों के कर्मियों के संगठन ''वर्कर औद्योगिक कामगार विकास यूनियन' के चेयरमैन शशि कुमार ने कहा कि पिछले साल जून महीने में ही हाईकोर्ट ने हमारे हक में फैसला दिया था उसके बावजूद अभी तक हमारा वेतन नहीं बढ़ाया गया है।

हम लोगों ने क्लस्टर बसों को चलाने वाली कंपनी डीआईएमटीएस (डिम्ट्स) के अधिकारियों से लेकर परिवहन मंत्री और मुख्यमंत्री तक से मिल चुके हैं। सभी ने हमें भरोसा दिलाया कि हमें हमारा अधिकार मिल जाएगा, लेकिन अभी तक हमें बढ़ा हुआ वेतन नहीं मिला है।

हमारी मांग है कि सरकार द्वारा तय न्यूनतन वेतन में 37 फीसद की बढ़ोतरी की जाए। उन्होंने बताया कि कोर्ट ने इसे लागू करने के लिए निर्देश सरकार को दिए हैं, फिर भी सरकार ने डिम्ट्स से इसे लागू नहीं करवाया है। शशि कुमार ने बताया कि बृहस्पतिवार को सभी डिपो के कर्मचारी हड़ताल पर रहे, जिससे सात डिपो की बसे न के बराबर सड़कों पर उतरी। उन्होंने कहा कि डिम्ट्स ने अलग-अगल कंपनियों के माध्यम से कर्मियों को अपने यहां काम पर रखा है।

हर कंपनी अपने अनुसार कर्मियों को पैसे दे रही है। उन्होंने कहा कि कंपनियों के साथ-साथ दिल्ली सरकार भी हमे न्याय नहीं दिला रही है। जबकि कोर्ट ने हमारे हक में फैसला दिया है। कुमार ने कहा कि अगर हमारी मांगें नहीं मानी गई तो हमारा आंदोलन और तेज होगा। वहीं दूसरी ओर यूनियन से जुड़े कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि क्लस्टर बसडिपो अफसरों ने मैकेनिक और बगैर लाइसेंस वाले कर्मियों को भी बसों के स्टेयरिंग थमा दिया। ऐसे में अगर कोई हादसा होता है तो उसकी जिम्मेदारी किसकी होगी।

तन जितना घूमता रहे, उतना ही स्वस्थ रहता है और मन जितना स्थिर रहे उतना ही स्वस्थ रहता है

भाजपा के लिए बहुत बड़ा आघात

मानने में कोई हर्ज नहीं है कि उपचुनावों के परिणाम भाजपा के लिए बहुत बड़ा आघात है। गोरखपुर एवं फूलपुर लोक सभा क्षेत्रों के उपचुनावों में पराजय की उसे कल्पना तक नहीं थी। जिस पार्टी ने पहले लोक सभा फिर विधानसभा चुनाव में एकपक्षीय जीत हासिल की हो, वह इस बात की कल्पना कैसे कर सकती थी कि अपने मुख्यमंत्री एवं उपमुख्यमंत्री के क्षेत्रों में ही उसे मुंह की खानी पड़ेगी। बिहार के अररिया में 2014 के मोदी लहर में भी वह पराजित हुई थी, इसलिए वहां नजीत पाने से उसके सेहत पर कोई असर नहीं हो सकता। किंतु गोरखपुर एवं फूलपुर की प्रकृति अलग है। इन दो उपचुनाव ने उत्तर प्रदेश में बसपा और सपा के मिलन का सूत्रपात कर दिया है, जो भाजपा के लिए बड़े खतरे की घंटी साबित हो सकती है। दोनों पार्टियों का प्रदेश में एक न्यूनतम जनाधार है। इनके मत एक साथ जुड़ जाएं तो सामान्य स्थिति में उत्तर प्रदेश में किसी पार्टी के लिए इनको चुनौती दे पाना कठिन होगा। इन उपचुनाव के बाद दोनों पार्टियों के अंदर नये किस्म का आशावाद पैदा हुआ है। बसपा के सामने तो अपने अस्तित्व का सवाल है, इसलिए उसे भी पुरानी बातें भुलाकर सपा के साथ जाने में कोई समस्या नहीं होगी। तो अब भाजपा को 2019 में इन दो पार्टियों के गठजोड़ से मुकाबला करना होगा। इन परिणामों से यह संदेश निकला है कि अगर विपक्षी पाटियों के बीच अलग-अलग राज्यों में या फिर कुछ के बीच केंद्र के स्तर पर गठबंधन हो तो भाजपा एवं नरेन्द्र मोदी को पराजित किया जा सकता है। जाहिर है, आने वाले समय में हमें ऐसे कुछ गठजोड़ देखने को मिल सकते हैं। अगर उत्तर प्रदेश के दोनों क्षेत्रों से भाजपा की जीत हो जाती तो इसका संदेश अलग होता। यह माना जाता कि 2019 में भी नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा को पराजित करना असंभव है। ऐसा नहीं हुआ तो भाजपा को गहराई से इन परिणामों की समीक्षा करनी चाहिए। भाजपा कह रही है कि उसके मतदाता पर्याप्त संख्या में नहीं निकले। वास्तव में मतदान करने के लिए काफी कम मतदाताओं के निकलने का तात्कालिक अर्थ यही है कि भाजपा सरकारों से उसके समर्थकों तक में निराशा का भाव भरा हुआ है। साफहै कि सरकार एवं पार्टी की कार्यशैली ने ऐसी उदासीनता पैदा की है। इस तरह ये चुनाव परिणाम भाजपा को सरकार एवं संगठन दोनों स्तरों पर अपने आचार-विचार में परिवर्तन की मांग कर रहे हैं। क्या भाजपा ऐसा कर पाएगी?

नक्सलियों के हमल

छत्तीसगढ़ का सुकमा एक बार फिर नक्सलियों के हमले से थर्रा उठा। बुधवार को हुए हमले में केंद्रीय सुरक्षा पुलिस बल (सीआरपीएफ) के कोबरा दस्ते के 9 जवान शहीद हो गए और 25 से ज्यादा जख्मी। दुखद और चिंता की बात यह है कि एक अंतराल पर नक्सली सुरक्षा बलों को मार रहे हैं। इस परिपाटी को बदलने की जरूरत है। मगर हालात बेहतर कैसे होंगे और नक्सल प्रभावित इलाकों में शांति कब बहाल होगी, इस बारे में न तो सरकार के पास नीति है और न नीयत। साफशब्दों में कहा जाए तो जिस सूबे में एक दल का चौदह साल से शासन हो और जिस सरकार का नेतृत्व भी शुरू से एक ही शख्स के पास रहा हो, वहां आदिवासियों के क्षेत्र बेहद पिछड़े हों और बुनियादी सड़क-बिजली-पानी और स्वास्य सेवाओं के लिए उसे सामंती शासन व्यवस्था के आगे मिमियाना पड़े; इससे पीड़ादायक बात शायद नहीं हो सकती? इस मर्म को समझने की दरकार है। और यह भी महसूस करने का साहस नीति-नियंताओं और सत्तासीन जमात को करना है कि आखिर कब तक गरीब और मजलूम तबके की भावनाओं के साथ धोखाधड़ी की जाती रहेगी? खादी धारकों और शीशे से बने ऑफिस में बैठे नौकरशाहों को भी यह मालूम है कि विकास के अभाव में ही नक्सलवाद पनपता है। सो, विकास कार्य जमकर हों, हालांकि सालों बीत जाने और अरबों खर्च करने या बर्बाद करने के बाद भी हालात पहले की तरह जटिल और अनसुलझे ही रहे हैं। शायद यही वजह है कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने नक्सलवाद को देश की सबसे बड़ी समस्या के रूप में रेखांकित किया था। मगर सिर्फ समस्या को छोटा या बड़ा बताने से समस्या हल नहीं होने वाली है। सुरक्षा बलों और स्थानीय पुलिस को अपने खुफिया विंग को चौकस और सक्रिय करना होगा। साथ ही उन आदिवासियों का विास जीतना होगा, जो कभी नक्सलियों के जुल्म का शिकार होते हैं तो कभी सुरक्षा बलों के। हां, अत्याधुनिक साजो-सामान, जिसकी जरूरत सुरक्षा बलों को सबसे ज्यादा है, उसे मुहैया कराना निहायत जरूरी है। सियासी दलों को भी इस मायने में एकजुट होगा और सहमति दिखानी होगी कि यह समस्या विशुद्ध रूप से सामाजिक-आर्थिक है।

सत्संग

दैनिक कार्य

समय के लिए किसी भी कामकाज से दूर होना अच्छी बात है, पर हो सकता है कि आपको यह न पता हो कि आपको उससे अलग कैसे होना है या हो सकता है कि आपके पास ज्यादा काम ही न हो, और इसीलिए आपको ऐसा करने का अधिकार ही न हो। ज्यादातर लोग जब खुद को अलग करना चाहते हैं, तब उन्हें ऐसा करने का हक नहीं होता। उनके जीवन में ऐसा मौका नहीं बनता क्योंकि उन्हें मकान की किश्त अगले पैंतीस सालों तक अदा करनी है। कार का पंद्रह साल का लोन चुकाना है। बीमा की किस्त जमा करनी है, और उन्हें अपने लिए कब्रिस्तान में लिये गए प्लॉट की किश्त भी तो भरनी है। मिनेसोट्टा के एक इंसान के साथ ऐसा ही हुआ। उसने अपना सारा पैसा, अपने लिए एक ऐसी आलीशान जगह खरीदने में लगा दिया, जहां उसे मरने के बाद दफनाया जा सके। जब वह सत्तर साल का हुआ तो वह समुद्री यात्रा पर निकला। उसका जहाज डूबा और वह उसी पानी में कहीं खो गया। आप कब्रिस्तान में खरीदी गई जगह बेच भी नहीं सकते। लोग कई तरह से उलझे हुए हैं, वे इन सभी बातों से छूट नहीं सकते, इसलिए शायद सिर्फअपनी गति को थोड़ी धीमी कर लेना ही उनके लिए संभव है। अगर वे स्वयं को हर चीज से अलग कर भी लेते हैं तो उन्हें यह पता नहीं होता कि उन्हें उस दौरान खुद को कैसे मैनेज करना है। धीमी रफ्तार आपके लिए कारगर हो सकती है, पर अगर आपने हमेशा ऐसा किया तो आप अपने जीवन को मसल देंगे। मिसाल के लिए, आपके पास एक कार है। अगर यह माह में एक बार सर्विसिंग के लिए जाती है, तो हम हर चीज को स्विच ऑफ करके पैसे बचा सकते हैं, और जब यह वापस आए तो इसे ऐसा होना चाहिए कि यह नियमित गति से भाग सके। अगर इतना भी न हो पाए, तो ऐसी कार रखने से कोई फायदा ही नहीं होगा। अगर आप जानकर कुछ दिन के लिए अपनी गतिविधियां धीमी कर रहे हैं, तो ठीक है। पर अगर आपको केवल स्लोडाउन करने से ही खुशी मिलती है तो आप अपने जीवन में एक जगह जाकर ठिठक जाएंगे। अगर यह शरीर, मन और जीवन आपको अपनी सीमाओं से पार जाने की इजाजत नहीं देता, तो कई तरह से आपका जीवन बरबाद ही माना जाएगा। आप यहां खुद को संभालकर रखने नहीं आए हैं। आपको जीवन को पूरे वेग के साथ बढ़ने देना होगा।

"स्टैटिस्टा और डालिया रिसर्च'

चीन में प्रदूषण कानून सख्त होने से पर्यावरण से जुड़े कई उद्योगों की इकाइयां बड़ी संख्या में बंद हो गई हैं। ऐसे में भारत चीन के बाजार में ऑट कम्पनेंट, स्टेनलेस स्टील, इनवर्टर, कॉटन यार्न, लेदर सामान आदि वस्तुओं के निर्यात तेजी से बढ़ाने की संभावना रखता है। इतना ही नहीं भारत अपनी ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था, सूचना प्रौद्योगिकी, बायोटेक्नोलॉजी, फार्मास्युटिकल, इंजीनियरिंग, मेडिकल एवं विज्ञान क्षेत्रों की विजय पताका चीन में भी फहरा सकता है। वस्तुतः यदि भारत को दुनिया का नया कारखाना बनाना है तो हमें युवाओं के काल विकास, ऊंचे उत्पादन स्तर और विकास की तेज रफ्तार पर ध्यान देना होगा।

सतीश पेडणोकर

प्रकाशित किए गए भारत-चीन द्विपक्षीय व्यापार के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार बीते साल 2017 में भारत-चीन व्यापार 84.44 अरब डॉलर की ऐतिहासिक ऊंचाई पर पहुंच गया। 2017 में चीन क भारत का निर्यात 16.34 अरब डॉलर मूल्य का रहा, जबकि चीन से भारत ने 68.10 अरब डॉलर का आयात किया। ऐसे में वर्ष 2017 में द्विपक्षीय व्यापार के तहत भारत का व्यापार घाटा 51.76 अरब डॉलर रहा। वर्ष 2016 में भारत-चीन व्यापार 71.09 अरब डॉलर का रहा। चीन को भारत से 11.76 अरब डॉलर मूल्य के निर्यात किए गए, जबकि चीन से आयात का मूल्य 58.33 अरब डॉलर रहा। व्यापार घाटा 46.57 अरब डॉलर का रहा। गौरतलब है कि वर्ष 2017 में भारत और चीन के बीच व्यापार की ऐतिहासिक ऊंचाई और भारत का सर्वाधिक व्यापार घाटा तब रहा, जब दोनों देशों के बीच डोकलाम विवाद और अन्य मुद्दे मसलन चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा, चीन द्वारा जैश-ए-मोहम्मद के मसूद अजहर पर संयुक्त राष्ट्र प्रतिबंध के भारतीय प्रयास में अड़चन, परमाणु आपूत्तर्किार्ता समूह (एनएसजी) में भारत के प्रवेश पर चीनी बाधाएं मुंह बाए खड़ी रही हैं।इस समय दोनों देशों के अधिकारियों और कारोबारियों का मानना है कि इस साल 2018 में भारत-चीन का द्विपक्षीय व्यापार 100 अरब डॉलर के लक्ष्य की डगर पर आगे बढ़ने के लिए और रफ्तार पकड़ेगा। क्योंकि दोनों देशों की सरकारें तनाव कम करने का प्रयास कर रही हैं। चीन के विदेश मंत्री वांगयी ने 8 मार्च को कहा कि भारत के हाथी और चीन के ड्रैगन की मित्रता अटल है, दोनों देश मिलकर व्यापार में आगे बढ़ेंगे। इसी तरह भारत ने दलाई लामा के भारत में आगमन के 60 वर्ष पूर्ण होने पर मार्च माह में धन्यवाद समारोह दिल्ली की बजाय धर्मशाला में आयोजित किए जाने का संकेत देकर भविष्य में अच्छे संबंधों का रास्ता निकाला है। निश्चित रूप से भारत-चीन के बीच द्विपक्षीय व्यापार एक अभूतपूर्व स्तर को छू सकता है। भारत से चीन का निर्यात तेजी से बढ़े। ऐसे में चीन की चमकीली निर्यात बुनियादों के बीच भी भारत से चीन को निर्यात बढ़ाने की नई रणनीति आवश्यक है। हमें चीन के बाजार में भारतीय सामान की पैठ बढ़ाने के लिए उन क्षेत्रों को समझना होगा, जहां चीन को गुणवत्तापूर्ण भारतीय सामान की दरकार है। वस्तुत: गुणवत्तापूर्ण उत्पादों के मामले में भारत चीन से बहुत आगे है। ख्यात नियंतग्र खाद्य संगठन ''स्टैटिस्टा और डालिया रिसर्च' के द्वारा मेड इन कंट्री इंडेक्स में उत्पादों की साख के अध्ययन के आधार पर कहा गया है कि गुणवत्ता के मामले में ''मेड इन इंडिया' ''मेड इन चाइना' से आगे है। इस सव्रेक्षण के तहत लिये गए मानकों में उत्पादों की गुणवत्ता, सुरक्षा मानक, कीमत वसूली, विशिष्टता, डिजाइन, एडवांस्ड टेक्नोलॉजी, भरोसा, टिकाऊपन, सही उत्पादन और प्रतिष्ठा शामिल हैं। यूरपीय संघ और दुनिया के 49 बड़े देशों को लेकर जारी इस इंडेक्स में उत्पादों की साख के मामले में चीन भारत से सात पायदान पीछे है। सूचकांक में भारत को 100 अंकों में से 36 अंक मिले हैं, जबकि चीन को 28 से ही संतोष करना पड़ा है। चूंकि भारतीय उत्पाद गुणवत्ता अर विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी होते हैं। इसलिए यहां ऐसा कोई कारण नहीं है कि चीनी उपभोक्ता और कंपनियां इनकी खरीद नहीं कर सकती। खासतौर से चीन में प्रदूषण कानून सख्त होने से पर्यावरण से जुड़े कई उद्योगों की इकाइयां बड़ी संख्या में बंद हो गई हैं। ऐसे में भारत चीन के बाजार में ऑट कम्पनेंट, स्टेनलेस स्टील, इनवर्टर, कॉटन यार्न, लेदर सामान आदि वस्तुओं के निर्यात तेजी से बढ़ाने की संभावना रखता है। इतना ही नहीं भारत अपनी ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था, सूचना प्रौद्योगिकी, बायोटेक्नोलॉजी, फ र्मास्युटिकल, इंजीनियरिंग, मेडिकल एवं विज्ञान क्षेत्रों की विजय पताका चीन में भी फहरा सकता है। वस्तुत: यदि भारत को दुनिया का नया कारखाना बनाना है तो हमें युवाओं के काल विकास, ऊंचे उत्पादन स्तर और विकास की तेज रफ्तार पर ध्यान देना होगा। एक ओर हमें शैक्षणिक दृष्टि से पीछे रहने वाले युवाओं को काल विकास से प्रशिक्षित करना होगा और उन्हें रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों से शिक्षित करना होगा, वहीं गांवों में काफी संख्या में जो गरीब, अशिक्षित और अर्धशिक्षित लोग हैं, उन्हें अर्थपूर्ण रोजगार देने के लिए निम्न तकनीक विनिर्माण में लगाना होगा। इसी तरह उच्च शिक्षा की ओर आगे बढ़ रही नई पीढ़ी को रोजगार की जरूरत के अनुरूप मानव संसाधन (ह्यूमन रिसोर्स) के रूप में गढ़ना होगा। ''मेक इन इंडिया' अभियान को कामयाब बनाना होगा। ''मेक इन इंडिया' को कामयाब बनाने के लिए देश में आगामी एक वर्ष में 40 लाख ऐसे युवाओं की जरूरत होगी जो काल प्रशिक्षण से सुसज्जित हैं। इसके लिए उद्योग मंत्रालय और सरकार का सहयोग कर रहे नैस्कॉम संगठन ने पहले चरण में एक वर्ष में 40 लाख युवाओं को काल प्रशिक्षण देने की रणनीति बनाई है। निश्चित रूप से चीन से व्यापार में मुकाबला करने के लिए भारत को कम लागत पर गुणवत्तापूर्ण उत्पादन करने वाले देश के रूप में बाजार पहचान बनाना होगी। हमें अपनी बुनियादी संरचना में व्याप्त अकुशलता एवं भ्रष्टाचार पर नियंतग्रकर अपने प्रॉडक्ट की उत्पादन लागत कम करनी होगी। चीन की तरह भारत को भी गुड गवन्रेंस की स्थिति बनानी होगी। प्रतिस्पर्धा में सतत सुधार और वित्तीय मानदंडों के प्रति जवाबदेही पर ध्यान दिया जाना होगा। चीन से प्रतिस्पर्धा के क्षेत्र में भारत की एक कमजोर तस्वीर को बदलना होगा। भारत में बुनियादी ढांचे और महंगे ऋण के अलावा कारोबारी माहौल, श्रम की बढ़ती लागत और लॉजिस्टिक के मोर्चे पर जो दिक्कतें दिखाई दे रहीं है उन्हें दूर करना होगा। इसके साथ-साथ भारतीय उद्योगों को चीन के मुकाबले में खड़ा करने के लिए उद्योगों को नये अधिकारों, खोज से परिचित कराने के मद्देनजर सीएसआई, डीआरडीओ और इसरो जैसे शीर्ष अनुबंधित संस्थानों को महत्त्वपूर्ण बनाना होगा। मोदी सरकार चीन को निर्यात बढ़ाने के लिए नये रणनीतिक प्रयासों के साथ आगे बढ़ेगी। ऐसे प्रयासों के कारण बढ़ते हुए भारत-चीन व्यापार में भारत का निर्यात भी बढ़ सकेगा। व्यापार घाटा कम होगा और द्विपक्षीय व्यापार के लाभों से दोनों देश लाभान्वित होंगे।

चलते चलते

बहस से ज्यादा अब हंगामे

गुजरात विधानसभा में विधायकों के बीच हिंसक भिड़ंत ने इन संस्थाओं की गुणवत्ता को एक पायदान और नीचे ला दिया। विधानसभा को अखाड़े में तब्दील करते हुए भाजपा और कांग्रेस के विधायक भिड़ गए। कांग्रेस के कुछ सदस्यों ने भाजपा के विधायक जगदीश पांचाल पर माइक्रोफोन के रॉड से व घूसों से हमला किया। भाजपा के विधायकों ने भी पलटवार किया। इस घटना के बाद कांग्रेस के दो विधायकों को तीन साल के

संसद-विधानसभाएं अपनी बहसों से ज्यादा अब हंगामे के लिए चर्चा में रहती हैं। गुजरात विधानसभा में विधायकों के बीच हिंसक भिड़ंत ने इन संस्थाओं की गुणवत्ता को एक पायदान और नीचे ला दिया। विधानसभा को अखाड़े में तब्दील करते हुए भाजपा और कांग्रेस के विधायक भिड़ गए। कांग्रेस के कुछ सदस्यों ने भाजपा के विधायक जगदीश पांचाल पर माइक्रोफोन के रॉड से व घूसों से हमला किया। भाजपा के विधायकों ने भी पलटवार किया। इस घटना के बाद कांग्रेस के दो विधायकों को तीन साल के लिए निलंबित कर दिया गया। एक अन्य विधायक को भी एक साल के लिए निलंबित किया गया। ऐसा नहीं है कि विधानसभाओं में यह कोई पहली घटना है। हां, हाल के समय में इसे बड़ी घटना कहा जा सकता है। इसी प्रकार का एक शर्मनाक अध्याय 1997 में उत्तर प्रदेश विधानसभा में लिखा गया था। घायल और डेस्क के नीचे छुपे विधायकों की तस्वीरें आजाद भारत में इसका प्रतीक बन गई। मगर यक्ष प्रश्न यही कि क्या होना चाहिए? क्या इस प्रकार की घटनाओं में शामिल विधायकों की सदयस्ता तत्काल प्रभाव से खत्म नहीं कर देनी चाहिए? साथ ही एक जन प्रतिनिधि के तौर पर मिलने वाली सारी सुविधाओं को भी तत्काल वापस ले लेना चाहिए। लोकतंत्र का आधार ही संवाद है। हिंसा का विचार यही परिलक्षित करता है कि व्यक्ति विशेष को संवाद में भरोसा नहीं नहीं है। जब संवाद में आस्था ही नहीं है तो इसका तात्पर्य वो जन प्रतिनिधि बने रहने की आवश्यक शर्त भी पूरी करने में नाकाम है। किसी को अराजकता की इजाजत नहीं दी जा सकती। संवाद की सर्वोच्च जगहों पर ऐसी हरकत करने वाले जनप्रतिनिधियों पर सख्त-से-सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। संसद-विधानसभाओं में कम होती बहसों के समय और बढ़ते हंगामे का एक कारण अच्छी संख्या में धनबल और बाहुबल के दम पर पहुंचने वाले जनप्रतिनिधि भी हैं। ऐसी सोच और आचार-विचार वालों को हतोत्साहित करने की जरूरत है। क्योंकि ये हमारे लोकतंत्र को बीमार कर रहे हैं।

फोटोग्राफी...

किन्ने सारे टैडी बियर

सीरियाई रिफ्यूजी बच्चों में बांटे जाएंगे...जर्मनी की राजधानी बर्लिन के कॉन्सर्ट हॉल के बाहर रखे गए टैडी बियर्स सेट करता बच्चा। यहां 740 टैडी बियर्स रखे गए हैं। ये टैडी बियर्स पिछले सात सालों से सीरिया में चल रहे गृह युद्ध के दौरान विस्थापित हुए सात लाख 40 हजार बच्चों की दशा लोगों को दिखाने के लिए रखे गए हैं। इन्हें सीरियाई रिफ्यूजी बच्चों में बांट दिया जाएगा। इस इवेंट का आयोजन द ह्यूमेनिटेरियन एड ग्रुप वर्ल्ड विजन ने करवाया था।

ललक ही विज्ञान है

प्रकृति के रहस्यों को जानने की हमारी ललक ही विज्ञान है और गैलीलियो, न्यूटन, आइंस्टीन और स्टीफन हॉकिंग जैसे वैज्ञानिकों ने इन्हीं में से कुछ रहस्यों पर से पर्दा उठाया। सेब के जमीन पर गिरने की प्रक्रिया के माध्यम से न्यूटन ने हमें गुरु त्वाकर्षण के नियमों से परिचय कराया और गैलीलियो ने ब्रह्मांड में ग्रहों की स्थितियों और उनके बारे में हमारी समझ को वैज्ञानिक बनाया। ब्रह्मांड की हमारी जिज्ञासा को गैलीलियो ने जिस मुकाम पर लाया था, आइंस्टीन और हॉकिंग उसे काफी ले गए। आइंस्टीन के सामान्य सापेक्षता के सिद्धांत को क्वांटम भौतिकी के साथ जोड़कर हॉकिंग ने ब्रह्मांड के कई रहस्यों को जानने के काफी नजदीक हमें ले आए हैं। आइंस्टीन के बाद की दुनिया में ब्रह्मांड को समझने में हमारी मदद स्टीफेन हॉकिंग ने जितनी की है, उतनी किसी अन्य ने नहीं। गुरुत्वाकर्षण, दिक (स्पेस) और काल (टाइम) के बारे में आज हम जो भी जानते हैं, उस पर हॉकिंग का अमिट हस्ताक्षर है। उन्होंने स्पष्ट किया, ''मेरा लक्ष्य बहुत सामान्य है। यह विश्व की पूरी समझ बनाने को लेकर है, वह ऐसा क्यों है और उसका अस्तित्व क्यों है?' विश्व की उत्पत्ति और ब्लैक होल (कृष्ण विवर) के बारे में उनकी खोज हमारी सभ्यता को उनकी प्रमुख देन है। ब्लैक होल या कृष्ण विवर के बारे में आज हम जो भी जानते हैं, उसका सर्वाधिक श्रेय हॉकिंग को है। 1974 में हॉकिंग ने क्वांटम के सिद्धांत पर भरोसा करते हुए घोषणा की कि ब्लैक होल ऊष्मा का विकिरण करता है और इस क्रम में वह अंतत: अस्तित्व से बाहर हो जाएगा। 1982 में हॉकिंग ने ''योरी ऑफ कॉस्मिक इन्फ्लेशन' दिया, जिसके तहत उन्होंने कहा कि ब्रह्मांड में एक ऐसा समय आया जब उसमें भारी विस्तार आया। उन्होंने कहा कि क्वांटम उतार-चढ़ाव या ब्रह्मांड में पदार्थों के बीच सूक्ष्म विविधता बहुत ही छोटे-छोटे तरंगों को जन्म देता है और इन्हीं तरंगों में तारों, नक्षत्रों और जीवन के रहस्य छिपे हैं। ब्रह्मांड की उत्पत्ति के बारे में हॉकिंग की ''बिग बैंग' या बड़े विस्फोट की परिकल्पना उपरोक्त बातों पर ही आधारित है। उन्होंने अपने पूर्ववर्ती विज्ञानियों के इस बात का खंडन किया कि ब्रह्मांड हमेशा से इसी स्थिति में रहा है। कैंब्रिज में उनकी पीएचडी का विषय भी यही था। उन्होंने कहा कि ब्रह्मांड उच्च घनत्व और उच्च तापक्रम की अवस्था में विस्तारित हुआ। विस्तारण की इस प्रक्रिया के विश्लेषण से पता चलता है कि यह लगभग 13.8 अरब वर्ष पहले हुआ। यह माना जाता है कि ब्रह्मांड की रचना एक सिंगुलैरिटी या अनंतबिन्दुता से शुरू हुआ। बिग बैंग के कारण असीमित मात्रा में ऊर्जा और कई तरह के गैस निकले। प्रारम्भिक प्रसार के बाद ब्रह्मांड शीतल होने लगा, जिसकी वजह से सूक्ष्म कणों का निर्माण हुआ जिसने बाद में अणुओं को जन्म दिया। प्रारम्भिक तत्त्वों के विशालकाय बादल गुरुत्वाकर्षण के प्रभाव में संगठित हुए और इसने तारों और आकाशगंगाओं की रचना की। वह यह भी मानते थे कि जिस तरह इस ब्रह्मांड की शुरु आत हुई उसी तरह इसका अंत भी होगा। इसीलिए वह मनुष्य को बाह्य ब्रह्मांड की खोज को अहम मानते थे। उनका यह विास भी था कि ब्रह्मांड में अन्यत्र हमसे भी उन्नत सभ्यता की परिकल्पना बकवास नहीं है। हॉकिंग ब्रह्मांड के रहस्यों पर से पर्दा हटाना चाहते थे। उनका सारा काम सैद्धांतिक क्षेत्र में है और इसका कहीं कोई प्रायोगिक रिकॉर्ड नहीं है। यही कारण है कि उन्हें नोबेल पुरस्कार नहीं दिया जा सका। अपने 50 वर्षो से भी ज्यादा के शोध में आज ब्रह्मांड के बारे में हमारी जिज्ञासा काफी दिलचस्प बन गई है। वे हमारे बीच भले अब नहीं रहेंगे, पर खगोल भौतिकी के क्षेत्र में एक जाज्वल्यमान नक्षत्र बनकर हमेशा चमकते रहेंगे।

श्रीलंका ने बांग्लादेश को जीत के लिए 160 रन का लक्ष्य दिया

कोलंबो (एजेंसी)।

नई दिल्ली। ट्राई सीरीज के एक अहम मुकाबले में बांग्लादेश व श्रीलंका आमने-सामने हैं। ये मैच दोनों ही टीमों के लिए अहम है क्योंकि इसमें जिस टीम को जीत मिलेगी वो फाइनल में पहुंच जाएगी। इस मैच में बांग्लादेश ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश ने 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 159 रन बनाए। अब बांग्लादेश को जीत के लिए 160 रन बनाने हैं।

मेजबान श्रीलंका को पहली पारी में पहला झटका शाकिब अल हसन ने दिया। हसन ने ओपनर बल्लेबाज गुणाथिकाला को 4 रन के स्कोर पर शबीर रहमान के हाथों कैच आउट करवाया। श्रीलंका का दूसरा विकेट कुशाल मेंडिस के तौर पर गिराष मेंडिस मुस्ताफिजुर रहमान की गेंद पर सौम्या सरकार के हाथों कैच आउट हो गए। मेंडिस ने 11 रन की पारी खेली। थरंगा 5 रन बनाकर रन आउट हो गए। दशुन शनाका रहमान की गेंद पर विकेटकीपर रहीम के हाथों कैच आउट हुए। जीवन मेंडिस को मेंहदी हसन ने 3 रन पर कैच आउट करवा दिया। मेंडिस का कैच मुस्ताफिजुर रहमान ने पकड़ा। कुसल परेरा ने 40 गेंदों पर 61 रन की शानदार पारी खेली। उन्हें सौम्या सरकार ने मेंहदी हसन के हाथों कैच आउट करवा दिया। थिरासा परेरा ने भी 37 गेंदों पर 58 रन की बेहतरीन पारी खेली लेकिन उन्हें रुबेल हुसैन ने तमीम के हाथों कैच करवा दिया। उडाना 7 रन जबकि धनंजय एक रन बनाकर नाबाद रहे।

बांग्लादेश की तरफ से मुस्ताफिजुर रहमान ने दो जबकि शाकिब अल हसन, रुबेल हुसैन, मेंहदी हसन और सौम्या सरकार ने एक-एक विकेट लिए।

इस मैच में बांग्लादेश के ऑलराउंडर शाकिब अह हसन की वापसी हुई है। अब टीम की कप्तानी महमूदुल्लाह की जगह शाकिब कर रहे हैं। बांग्लादेश की टीम में अबू हैदर को ड्रॉप किया गया है और उनकी जगह शाकिब अंतिम ग्यारह में शामिल हुए हैं। वहीं श्रीलंका की टीम में दो बदलाव किए गए हैं।

भारत-पाकिस्तान की भिड़ंत के साथ होगा चैंपियंस ट्रॉफी का आगाज

ब्रेडा (नीदरलैंड्स)। दुनिया के सबसे रोमांचक मैचों में एक भारत-पाक का मुकाबला एक बार फिर दर्शकों की धड़कनें बढ़ाने जा रहा है। जून में शुरू होने वाली हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी में पहला मुकाबला ही भारत-पाक के बाच खेला जाएगा। भारतीय पुरुष हॉकी टीम 23 जून से एक जुलाई तक खेले जाने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के पहले मैच में अपने चिर प्रतिद्वंदी पाकिस्तान से भिड़ेगी। इस मैच के बाद होने वाले दूसरे मैच में यूरोपियन चैंपियन नीदरलैंड्स, ओलंपिक विजेता अर्जेंटीना से भिड़ेगी। पहले दिन का अंत ऑस्ट्रेलिया और बेल्जियम के मुकाबले के साथ होगा। अगले दिन दो पड़ोसी मुल्क नीदरलैंड्स और बेल्जियम आमने-सामने होंगी। बेल्जियम 26 जून को पेन अमेरिका विजेता अर्जेंटीना से मुकाबला करेगा। यूरोपियन चैंपियन नीदरलैंड्स और एशियाई विजेता भारत 30 जून को एक दूसरे से मुकाबला करेंगे।

अनिर्बान लाहिड़ी की धीमी शुरूआत, पहले दौर में एक ओवर का कार्ड खेला

ओरलांडो। शीर्ष भारतीय गोल्फर अनिर्बान लाहिड़ी ने अर्नोल्ड पामर निमंत्रण टूर्नामेंट के शुरूआती दौर में एक ओवर 73 का कार्ड खेला। हालांकि टूर्नामेंट में सभी की निगाहें टाइगर वुड्स पर लगी हैं, जो चार अंडर के कार्ड से संयुक्त सातवें स्थान पर हैं। लाहिड़ी को मास्टर्स में जगह बनाने के लिये एक जीत की जरूरत है और उन्होंने बेहतर शुरूआत की उम्मीद की होगी। वह एक समय एकल बढ़त बनाये थे लेकिन अंत में संयुक्त् 69वें स्थान पर रहे। हेनरिक स्टेनसन आठ अंडर 64 के कार्ड से एकल बढ़त बनाये हैं।

अदिति अशोक की फाउंडर्स कप में अच्छी शुरूआत, संयुक्त 17वें स्थान पर

फिनिक्स (अमेरिका)। भारतीय गोल्फर अदिति अशोक ने बैंक ऑफ होप फाउंडर्स कप के शुरूआती दौर में मुश्किल परिस्थितियों के बावजूद दो अंडर 70 का कार्ड खेला। यह इस सत्र का उनका दूसरा एलपीजीए टूर्नामेंट है। वह साल के शुरू में आस्ट्रेलियन वुमैंस ओपन में कट से चूक गयी थीं। इस कार्ड से यह 19 वर्षीय भारतीय गोल्फर संयुक्त 17वें स्थान पर बनी हुई हैं और शीर्ष पर चल रही फ्रांस की कैरिन इचर और चेला चोई से तीन शाट पीछे हैं। कोरिया की इनबी पार्क और थाईलैंड की अरिया जुटानुगर्ण चार अन्य गोल्फरों के साथ संयुक्त तीसरे स्थान पर हैं।

स्टार शटलर किदाम्बी श्रीकांत ने अंपायरिंग की आलोचना की

बर्मिंघम। स्टार शटलर किदाम्बी श्रीकांत ने आल इंग्लैंड चैम्पियनशिप में चीन के हुआंग युजियांग के खिलाफ प्री क्वार्टरफाइनल में अंपायरों द्वारा लगातार सर्विस की गलतियां करार दिये जाने को हास्यास्पद करार दिया। दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी श्रीकांत गुरुवार रात गैर वरीय युजियांग से 11-21 21-15 20-22 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गये। श्रीकांत इतनी सारी 'सर्विस फाल्ट' दिये जाने से काफी नाराज थे, उन्होंने कहा, ''शुरूआती गेम में सर्विस की काफी गलतियां थीं। मुझे इनकी उम्मीद नहीं थी। कल मैंने एक भी गलती नहीं की और आज अचानक चीजें पूरी तरह से अलग थी। टूर्नामेंट में ऐसा नहीं होना चाहिए। इसके लिये कुछ विशेष नियम होने चाहिए। अंपायरों को कल कोई गलती नहीं मिली लेकिन आज अंपायरों को इतनी सरी गलतियां मिल गयी। यह हास्यास्पद है।''

भारत की सत्विकसाईराज रैंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की युगल जोड़ी भी माथियास बो और कार्स्टन मोगेनसन की दानिश जोड़ी पर उलटफेर भरी जीत दर्ज करने के करीब थी लेकिन अहम मौकों पर कुछ 'सर्विस फाल्ट' के कारण उन्हें एक घंटे तीन मिनट में 16-21 21-16 21-23 से हार का मुंह देखना पड़ा। चिराग ने कहा, ''यह दुर्भाग्यपूर्ण था कि हमें तीसरे गेम के अंत में हर दो-तीन अंक पर 'सर्विस फाल्ट' मिली। यह मुकाबले का अहम समय था और हम सचमुच काफी दुर्भाग्यशाली रहे।' बीडब्ल्यूएफ इस साल सभी शीर्ष टूर्नामेंट में 'स्थायी सर्विस नियम' लाने की कोशिश कर रहा है।

वीनस विलियम्स इंडियन वेल्स टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में

इंडियन वेल्स। सात बार की ग्रैंडस्लैम चैम्पियन वीनस विलियम्स ने स्पेन की कार्ला सुआरेज नावारो को 6-3, 6-2 से हराकर डब्ल्यूटीए इंडियन वेल्स टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनायी। वीनस 2001 के बाद पहली बार अंतिम चार में पहुंची हैं। चोट के कारण वह 2001 में सेमीफाइनल से पहले हट गयी थीं। इसके बाद उन्होंने कई वर्षों तक इस टूर्नामेंट में शिरकत नहीं की।

अब अगले दौर में इस 37 वर्षीय खिलाड़ी का सामना रूस की 20 वर्षीय दारिया कासातकिना से होगा।

नेपाल ने पपुआ न्यू गिनी को छह विकेट से हराकर वनडे दर्जा हासिल किया

हरारे (एजेंसी)।

नेपाल ने क्रिकेट विश्व कप क्वालीफायर प्ले आफ में पपुआ न्यू गिनी को छह विकेट से हराकर अपने खेल के इतिहास में पहली बार वनडे दर्जा हासिल किया। नेपाल के गेंदबाजों ने इस मुकाबले में जीत की नींव रखी, जिसमें संदीप लामिचाने और दीपेंद्र ऐरी ने चार चार विकेट झटककर विपक्षी टीम को महज 27-2 ओवर में 114 रन पर समेट दिया। पपुआ न्यू गिनी ने बल्लेबाजी में काफी खराब खेल दिखाया जो टूर्नामेंट के पांच मैचों में से चार में 200 या इससे कम के स्कोर पर सिमटी है। इस हार से सुनिश्चित हो गया कि वह अपना वनडे दर्जा गंवा देंगे।

नेपाल के कप्तान पारस खडकास ने टास जीतकर क्षेत्ररक्षण का फैसला किया। 17 वर्षीय लेग स्पिनर लामिचाने ने 29 रन देकर चार और आफ स्पिनर ऐरी 14 रन देकर चार विकेट झटके जिससे उसने पपुआ न्यू गिनी को 114 रन पर आल आउट कर दिया। इसके बाद ऐरी ने बल्लेबाजी में शानदार

खेल दिखाया, उसने 58 गेंद में 50 रन की शानदार खेली। आरिफ शेख ने भी 26 रन का उपयोगी योगदान दिया जिससे नेपाल की टीम 27 ओवर रहते ही इस लक्ष्य को हासिल करने में सफल रही। नेपाल की टीम अब शनिवार को सातवें स्थान के प्ले आफ में नीदरलैंड से भिड़ेगी जबकि पपुआ न्यू गिनी का सामना नौंवे स्थान के लिये हांगकांग से होगा।

अगले विश्वकप की तैयारी जरूर करूंगा: महेन्द्र सिंह धोनी

लखनऊ। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने अगले साल होने वाले विश्वकप में खेलने के लिये खुद को फिट बताते हुए कहा कि वह इसके लिये तैयारी जरूर करेंगे। धोनी ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में अगले विश्वकप टूर्नामेंट में खेलने की सम्भावनाओं के बारे में पूछे गये सवाल पर कहा कि जहां तक फिटनेस का सवाल है तो अगर मैं फिट नहीं होता तो अब तक क्रिकेट क्यों खेल रहा होता। इस 36 वर्षीय क्रिकेटर ने कहा कि अगले विश्वकप में अभी करीब साल भर का समय है लेकिन वह इसके लिये तैयारी जरूर करेंगे। धोनी ने उत्तर प्रदेश के क्रिकेट खिलाड़ियों के बारे में कहा कि इस सूबे में क्रिकेट हमेशा अच्छा रहा। हालांकि यहां के गेंदबाजों को उतने मौके नहीं मिले, मगर स्विंग पर उनकी पकड़ हमेशा बेहतर रही। भारत के सफलतम कप्तान रहे धोनी ने कहा कि दुनिया में क्रिकेट का दायरा बढ़ रहा है। अफगानिस्तान और नेपाल में अच्छे खिलाड़ी निकल रहे हैं। खासकर अफगान टीम का खेल देखकर क्रिकेट के आगे बढ़ने के अच्छे संकेत मिलते हैं।उन्होंने एक सवाल पर कहा कि पहले मां-बाप अपने बच्चे को खेलने पर डांटते-फटकारते थे, मगर आज वे उन्हें मैदान में भेज रहे हैं। बात यह है कि वे बच्चों को इतनी सहूलियतें दे रहे हैं कि बच्चे गर्मी और लू में मैदान में नहीं टिक पाते हैं। धोनी ने तेज गेंदबाज मुहम्मद शमी के पारिवारिक मसले के बारे में कुछ भी बोलने से इनकार कर दिया।धोनी लखनऊ में बनने वाली स्पोर्ट्स गैलेक्सी का कल शिलान्यास करेंगे।

तिहरे शतक से चूके जाफर, विदर्भ का विशाल स्कोर

नागपुर (एजेंसी)।

वसीम जाफर तिहरे शतक से चूक गए लेकिन विदर्भ ने शेष भारत के खिलाफ ईरानी कप के वर्षाबाधित तीसरे दिन पांच विकेट पर 702 रन बनाये। जाफर 286 रन बनाकर आउट हो गए और अपने कल के स्कोर में एक ही रन जोड़ सके। दिन भर में आज 28 ओवर ही फेंके जा सके। जाफर ने 431 गेंद की अपनी पारी में 34 चौके और एक छक्का लगाया। उन्हें सिद्धार्थ कौल ने दिन की तीसरी ही गेंद पर आउट किया।

विदर्भ के लिये मध्यक्रम के बल्लेबाज अपूर्व वानखेड़े 99 रन बनाकर खेल रहे हैं जिन्होंने अक्षय वाडकर (37) के साथ पांचवें विकेट के लिये 91 रन की साझेदारी की। वानखेड़े ने 173 गेंद की अपनी पारी में 12 चौके और दो छक्के लगाये। खेल रोके जाने पर वह अपने पहले प्रथम श्रेणी शतक से एक रन दूर थे। आर अश्विन ने

आज एक भी ओवर नहीं फेंका। अब देखना यह है कि विदर्भ वानखेड़े को शतक बनाने का मौका देता है या पारी की घोषणा तुरंत कर देता है। पिच सपाट होने से विदर्भ को शेष भारत के पूरे दस विकेट लेने में भी मुश्किल आयेगी। नियम के अनुसार अगर शेष भारत की पूरी टीम आउट नहीं होती है तो विजेता का फैसला रनरेट के आधार पर किया जायेगा।

एसीयू रिपोर्ट में पाक साफ करार दिये जाने पर शमी की केंद्रीय अनुबंध में वापसी

नयी दिल्ली। बीसीसीआई की भ्रष्टाचार निरोधक ईकाई के प्रमुख नीरज कुमार अगर तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को बोर्ड की आचार संहिता के तहत किसी अपराध से क्लीन चिट देते हैं तो केंद्रीय करार में उसकी वापसी हो सकती है। ऐसा समझा जाता है कि शमी की पत्नी हसीन जहां द्वारा लगाये गए घरेलू हिंसा के आरोपों की जांच पुलिस कर रही है और बीसीसीआई का इससे कोई सरोकार नहीं है । बीसीसीआई अधिकारी ने कहा,'' बीसीसीआई की हैंडबुक में क्रिकेटरों के लिये आचार संहिता है जो वित्तीय लेनदेन से संबंधित है। एसीयू सिर्फ मोहम्मद भाई और अलिश्बा से शमी के कथित लेनदेन की जाच कर रहा है। यदि उन्हें इन आरोपों से क्लीन चिट मिल जाती है तो तुरंत केंद्रीय करार में उनकी वापसी होगी।'' उन्होंने साफ तौर पर संकेत दिये कि बीसीसीआई का शमी की निजी जिंदगी से कोई सरोकार नहीं है।

कोहली और रोहित शर्मा को पीछे छोड़, राहुल बने साल के बेस्ट क्रिकेटर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय टीम के उभरते हुए युवा बल्लेबाज के एल राहुल को साल का सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर चुना गया है। क्रिकेट की सबसे मशबूर किताब विजडन क्रिकेटर्स अलमैनेक के भारतीय प्रारूप विजडन इंडिया अलमैनेक ने छठे संस्करण में केएल राहुल को इस साल का सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर चुना है। अलमैनेक ने वर्ल्ड कप के जश्न की तस्वीर फ्रंट पेज पर छापकर भारतीय महिला क्रिकेटरों को भी खास तवज्जो दी है।

इस किताब में विराट कोहली सबसे सफल भारतीय और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर रहे। लेकिन इस साल फोकस इंग्लैंड और आस्ट्रेलिया में मैचों पर होगा। किताब में सुरेश मेनन ने संपादकीय में लिखा, 'कोहली आंकड़ाविदों के नूरे नजर हैं । वह विदेश में अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो क्रिकेट इतिहासकारों के भी लाड़ले हो जायेंगे।'

महिला क्रिकेट को मिला सम्मान

महिला विश्व कप के सितारों में से एक दीप्ति शर्मा को वर्ष के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटरों में से चुना गया। भारत की पहली महिला सुपरस्टार शांता रंगास्वामी को विजडन हाल ऑफ फेम में इरापल्ली प्रसन्ना के साथ रखा गया।

सूरत। सचिन कनकपुर कम्युनिटी हॉल में सांसद श्री सी.आर.पाटिल का जन्मदिन मनाया गया। सांसद सी.आर.पाटिल के जन्मदिन के अवसर पर रक्तदान शिवर का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ीं संख्या में युवाओं ने रक्तदान किया।

सूरत। सचिन विस्तार में अवैध बांधकाम का भंडार लगा हुआ है, जहां पर बिल्डर अर्पाटमेंट बनाकर बेच देते हैं लेकिन वह बिल्डिंग कुछ ही समय में जर्जर हो जाती है। जब बिल्डींग खरीबदने वाले अपने सपनो के घर की ऐसी हालत देखते है तो अपने को ठगा सा पाते है। लेकिन कुछ कर नहीं पाते है क्योंकि बिल्डर अपार्टमेंट की कोई गारंटी तो देता नहीं है। और इन बिल्डींगो का हाल देखकर लगता है कि इन बिल्डींगो में लगने वाले मेटीरियल की देखरेख करने वाला कोई था और अगर था भी तो वो अपनी आंख बंद कर काम कर रहा था। क्योंकि बिल्डरों को तो अपने मुनाफे से मतलब है। जनता की सेफ्टी से उन्हें कुछ लेना देना नहीं है। अगर इस बिल्डींग के साथ कोई अप्रिय घटना हो जाती है तो इसका जिम्मेदार कौन होगा वो बिल्डर जिसने इसे बनाया या वो खरीददार जिसने अपार्टमेंट खरीद कर अपने को ठगासा महसुस कर रहा है, या वो अधिकारी जिसने इसे सेफ्टी सर्टिफीकेट दिया। क्रांति समय अखबार अपने कर्तव्य का पालन करते हुए ऐसी आम लोगो की समस्या का उठाता रहा है और आगे भी उठाता रहेगा।

आर एस एस का वर्ष प्रतिपदा उत्सव कल

7:10 बजे आद्य सरसंघचालक प्रणाम होगा

सूरत। गत वर्षों की भांति इस वर्ष भ्झी कल अर्थात रविवार, 18 मार्च 2018, युगाब्द 5120 और विक्रम संवत् 2075 को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा वर्ष प्रतिपदा उत्सव मनाये जाने का आयोजन किया गया है। प्राप्त सूत्रों के अनुसार डॉ अंबेडकर जन कल्याण ट्रस्ट मैदान, हल्दीघाटी शाखा, शुभम हाईट्स के पास, महावीर मार्केट वाली गली, केशवनगर सूरत में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ वर्ष प्रतिप्रदा उत्सव के अन्तर्गत सर्वप्रथम प्रात: 7 बजकर 10 मिनट पर आद्य सरसंघचालक प्रणाम का कार्यक्रम आयोजित होगा। तत्पश्चात स्वयं सेवकों द्वारा पथ संचलन किया जायेगा। पथ संचलन के दौरान पूरा कारवां नगर के विभिन्न क्षेत्रों से गुजर कर पुन: संघ स्थान पर पहुंचेगा। यहां स्वयं सेवकों द्वारा प्रात्येक्षित प्रस्तुत किया जाएगा। इसके बाद प्रांत संपर्क प्रमुख्ख डॉ. सुनिल भाई बोरिसा द्वारा उद्बोधन किया जाएगा। ज्ञातव्य है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक केशवराम बलिराम हेडगेवार का जन्म भी हुआ था। इसलिए इस उत्सव का महत्व और भ्झी बढ जाता है। जिसके चलते संघ के तमाम कार्यकर्ता और पदाधिकारी इस कार्यक्रम में भाग लेकर स्वयं को धन्य महसूस करते हैं।

1.50 लाख रुपए से भरी बैग झपटकर फरार

संवाददाता, सूरत। शहर के घोड़दौड़ रोड एकेसीसी बैंक से रुपए निकाल कर बैग में लेकर जा रहे युवक के कंधे पर लटकी बैग को बाइक पर आए दो उचक्के छीन कर फरार हो गए। उमरा पुलिस ने अज्ञात युवकों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नानपुरा के जमरुख गली के सामने गोवर्धन मोहल्ला घर नं.1/18 30 में रहने वाला पार्थ कमलेश पटेल गुरुवार को घोड़दौड़ रोड, झेवियर स्कूल के पास आने वाली एक्सीस बैंक से रुपए निकालने गए थे। वहां से निकाले गए 150,000 रुपए को एक बैग में भरकर घर की तरफ जा रहे थे। उसी समय एक्सीस बैंक के आगे ही मुख्ख्य मार्ग पर पहुंचते ही बाइक पर सवार होकर आए दो युवकों में पीछे बैठा युवक पार्थ के कंधे पर लटकी बैग को खींचकर फरार हो गया। घटना के संदर्भ में उमरा पुलिस अज्ञात युवकों के खिलाफ मामला दर्ज करके जांच शुरू की है।

स्वच्छ भारत मिशन के तहत क्वीज कंपटीशन

छह विजेताओं को किया गया पुरस्कृत

सूरत। भारत सरकार के क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय तथा सूरत मनपा के संयुक्त उपक्रम में शुक्रवार को सूबह 10:30 बजे को साड एच-5 कंयुनिटी हॉल में स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत शहरी नाटक, क्वीज कंपटीशन का आयोजन किया गया।

आयोजित कार्यक्रम को उपस्थित अधिकारियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित करके श्रीगणेश किया गया। डिप्टी कमिश्नर हेल्थ एण्ड हॉस्पिटल द्वारा स्वच्छ भारत मिशन के विषय में उद्बोधन किया गया। कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य समिति चेयरमैन अनिल भाई बिस्किटवाला, पार्षद गीताबेन सोसा, देवजी भाई गोपाणी, डॉ. हेमेन्त एस. देसाई डिप्टी कमिश्नर हेल्थ एण्ड हॉस्पिटल के साथ अन्य स्थानीय गणमान्य एवं मनपा पदाधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में स्वच्छ भारत क्वीज कंपटीशन के छह विजेताओं को उपस्थित महानुभाओं द्वारा पुरस्कृत करके प्रशंसापत्र प्रदान किए गए।

डम्फर के टक्कर मारने से बाइक चालक की मौत

सूरत। शहर के रांदेर रोड स्थित भेंसाण रोड सुएज प्लांट के पास एक डंफर चालक द्वारा बाइक सवार को टक्कर मारने से गंभीर रूप से घायल हुए युवक की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार रांदेर के पालनपुर पाटिया, देना बैंक की गली में श्री रंग अवधूत सोसाइटी घर नं. 24 में रहने वाले देवजी डाह्याभाई मोरकर ने पुलिस मे रिपोर्ट दर्ज कराई है कि इनके दामाद उमेश अरविंदभाई पटेल अपनी मोटरसाइकिल से घर आ रहे थे। उसी समय रांदेर भेंसाण रोड पर सुएज प्लांट के पास रोड पर डंम्फर नं. जीजे-5-बीवी-5930 के चालक ने उमेश की बाइक को टक्कर मार दी। जिससे उमेश रोड पर गिर गए और सिर तथा शरीर के अन्य भागों में गंभीर चोट लगने से उनकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई। जब कि घटना के बाद डंफर चालक गाड़ी को स्थल पर ही छोड़ कर फरार हो गया।

बॉलीवुड में भी छाए गुजराती रबारी समाज के कलाकार

सूरत। बॉलीवुड इण्डस्ट्री में आज गुजरातियों का बोलबाला है। गुजराती गीतकार अर्थात राजन रायका और धवल मोटण चन्द्रुमणा गांव और वडनगर तहसील के निवासी हैं। धवल ने कहा कि घर के पास मौजूद मंदिर में मैं रोज जाता था और वहां भजन मंडल के साथ गाते-गाते गीतकार और गायक बन गया।

इन युवा कलाकारों के गीत प्रारम्भ में कैसेट के रूप में रिलीज हुए जिसमें बारह-चौदह गीत होते थे। राजन-धवल गर्व से कहते हैं कि आज रबारी समाज के गीत अन्य समाज में भी बहुत ही उत्साह के साथ सुनते हैं जिसकी मुझे महा खुशी होती है। राजन और धवल कभ्झी भी स्कूल में संगीत की शिक्षा नहीं ली। इसके बावजूद संगीत की दुनिया में काफी नाम कमा रहे हैं। आगामी समय में उक्त जुगल जोड़ी रबारी समाज पर वी आर रबारी नामक अंग्रेजी गीत बना रहे हैं जो शीघ्र ही रिलीज किया जाएगा।

एस्सार कंपनी से केबल चोरी करने वाले दो गिरफ्तार

सूरत। हजीरा की एस्सार स्टील इंडिया कंपनी से 14 मार्च को स्टोर से 15 सौ मीटर तांबे के केबल (कीमत-1.50 लाख रुपए) की चोरी करने के आरोप में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार करके उनसे पूछताछ कर रही है। पकड़े गए आरोपियों द्वारा अपना गुनाह कबूल कर लेने के बाद पुलिस आगे की जांच कर रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार हजीरा की एस्सार स्टील इंडिया कंपनी से गत 14 मार्च को तांबे की 1500 मीटर केबल चोरी हो गई थी। इस संदर्भ में पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने जांच शुरू करके चोरी करने वाले अभिषेक मुरलीधर प्रजापति (20 वर्ष, मोरा गांव योगेशभाई के कबाड़ की दुकान में तथा मूल उत्तर प्रदेश मिरजापुर जनपद थाना पदरी, गांव सरया) और विकास सत्तन मांजी (24 वर्ष, मोरा गांव योगेशभाई के कबाड़ की दुकान में तथा मूल-बिहार , जिला-कटिहार, मधेली थाना बरारी) को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के पास से चोरी की केबल को कब्जे में कर लिया है। आरोपियों द्वारा अपना गुनाह कबूल कर लेने से पुलिस उनके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके आगे की जांच कर रही है।

डिंडोली के गायत्री नगर में युवक फांसी पर झूला

सूरत। शहर के नवागांव डिंडोली में रहने वाले एक युवक ने किन्ही अज्ञात कारणों से अपने घर के पंखे के साथ रस्सी बांधकर फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली। पुलिस मामले की जांच कर रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नवागांव डिंडोली के गायत्री नगर भाग-1 मकान नं. 121 में रहने वाले प्रभ्भाकर शंभाजी पाटिल (38 वर्ष) ने गुरुवार को शाम 8 बजे के करीब अपने घर में लगे पंखे के साथ रस्सी बांधकर फांसी पर झूलते हुए बेहोशी की हालत में मिला। इलाज के लिए रिक्शा में लेकर सिविल अस्पताल ले जाया गया। जहां पर चिकित्सकों ने जांच करने के बाद प्रबाकर को मृत घोषित कर दिया। डिंडोली पुलिस आत्महत्या का मामला दर्ज करके जांच कर रही है।

एसिड पीने से पांडेसरा के युवक की इलाज के दौरान मौत

सूरत। पांडेसरा के महमदी नगर उन पाटिया के रहने वाले युवक की एसिड पीने से इलाज के दौरान अस्पताल में मौत हो गई। पांडेसरा पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार उन पाटिया महमदी नगर घर नं. 11 में रहने वाले आबितशाह सरवरशाह (35 वर्ष) ने गुरुवार को शाम 8 बजे के करीब अपने घर में किसी कारणों से एसिड गटक लिया। जिनको इलाज के लिए सर्वप्रथम नई सिविल अस्पताल में इसके बाद वहां से नवकार अस्पताल लाई। माता चौक परवत पाटिया में ले जाने के बाद गहन इलाज के लिए युनिटी अस्पताल में भर्ती किया गया। जहां इलाज के दौरान आबितशाह की मौत हो गई। पांडेसरा पुलिस ने आत्महत्या का मामला दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी है।

युवती के साथ बलात्कार प्रकरण

दुराचार की शिकार युवती ने आरोपी जैन मुनि शांति सागर की जमानत अर्जी के खिलाफ पेश किया हलफनामा

सूरत। शहर के नानपुरा टिमलियावाड स्थित जैन उपाश्रय के बगल वाले एक रुम में दिगंबर जैन मुनि शांति सागर द्वारा युवती के साथ किए गए बलात्कार प्रकरण में पीड़िता ने गुजरात हाईकोर्ट में जैन मुनि की जमानत अर्जी के खिलाफ एक हलफनामा पेश किया है। मामले की सुनवाई 22 मार्च को हाईकोर्ट के न्यायाधीश एजे देसाई की कोर्ट में होने की जानकारी मिली है।

वडोदरा की एक छात्रा के साथ नानपुरा के टिमलियावाड में आने वाले जैन उपाश्रय के दिगंबर जैन मुनि शांति सागर द्वारा दिवाली के दिनों में बलात्कार किया गया था। सूरत के सेशन्स कोर्ट में मुनि द्वारा की गई जमानत की अर्जी रद्द करने के बाद उनके द्वारा गुजरात हाईकोर्ट में जमानत के लिए एक अर्जी लगाई गई थी। जमानत के विरोध में छात्रा ने कोर्ट में हलफनामा देकर जमानत न दिए जाने की अपील की।

डेयरी में नकली घी और मक्खन बनाने का पर्दाफाश

सूरत। बरोडा प्रिस्टेज स्थित एक डेयरी में नकली घी और मख्खन बनाने का मामला सामने आया है। एक ग्राहक ने इस समग्र मामले को पुलिस को साथ में लेकर पकड़ा है। जबकि डेयरी में जब सेंपल लेने के लिए जाया जा रहा था तो पुलिस के साथ भी दुर्व्यवहार किए जाने की बात सामने आई है। बरोडा प्रिस्टेज में आने वाले वालम दुग्धालय में एक महिला ग्राहक घी और मलाई लेने गई थी। जब वह घी और मलाई लेकर घर गई और गरम की तो उसमें मिलावट होने की बात सामने आई।

जिससे महिला ने वराछा पुलिस को साथ में लेकर वालम डेयरी में जा पहुंची और एसएमसी द्वारा सेंपल लेने की कार्रवाई शुरू की गई। दौरान दुकान मालिक आ पहुंचा और पुलिस, एसएमसी अधिकारियों तथा महिला के साथ उदंडता से पेश आया। जबकि मामले की गंभीरता को समझते हुए डेयरी के मालिक को स्थल से फरार हो जाने की जानकारी मिली है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **Tc.No. : GUJHIN00722**, E-mail: krantisamay@gmail.com